



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 149] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1987/चैत्र 6, 1909

No. 149] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1987/CHAITRA 6, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्मिक, लोक जिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1987

भा. का. नि. 333 (अ) - राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय
विभिन्न सेवाओं और पदा पर पुनर्निर्भूत) नियम, 1979 में और संशोधन करने

के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं और पदों पर पुनर्नियुक्ति) सशोधन नियम, 1987 है ।

(2) ये 15 नवम्बर, 1986 में प्रवृत्त हुए माने जाएंगे ।

2. भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं और पदों पर पुनर्नियुक्ति) नियम, 1979 के नियम 2 के खण्ड (ग) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु कोई व्यक्ति जिसे 15 नवम्बर, 1986 से प्रारम्भ होने वाली और 30 जून, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के बीच निम्नलिखित कारणों से निर्मुक्त किया गया है —

(क) सघ की सशस्त्र सेना में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् अपने ही अनुरोध पर, या

(ख) अप्रत्यक्ष गृहण के पश्चात् छह मास की निरन्तर अवधि के लिए सेवा कर लेने पर, अपने अनुरोध से अप्रत्यक्ष किसी अन्य कारण से निर्मुक्त किया गया हो या कदाचार या अक्षमता के कारण पदच्युत किया गया हो या सेवान्मुक्त किया गया हो या इस प्रकार निर्मुक्त किए जाने तक रिजर्व में स्थानान्तरित किया गया हो,

इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए भूतपूर्व सैनिक माना जाएगा ।”

टिप्पणी : — मूल नियम, भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में तारीख 29 दिसम्बर, 1979 की अधिसूचना संख्या सा का नि. 1530 के रूप में प्रकाशित किए गये और बाद में तारीख 15 नवम्बर, 1986 की अधिसूचना स. सा का नि. 973 द्वारा संशोधित किये गए थे ।

[संख्या 36034/5/85-स्था. (अनु. जा.)]

बट के. डे, निदेशक

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 1987

G.S.R. 333(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Services and Posts) Rules, 1979, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Services and Posts) Amendment Rules, 1987.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 15th day of November, 1986.

2. In rule 2 of the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Services and Posts) Rules, 1979, to clause (c), the following proviso shall be added, namely:—

“Provided that for the period commencing on the 15th day of November, 1986 and ending with the 30th day of June, 1987, any person who has been released :—

- (a) at his own request after completing 5 years' service in the Armed Forces of the Union, or
- (b) after serving for a continuous period of six months after attestation, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release ;

shall also be deemed to be an ex-servicemen for the purpose of this clause.”

Note : Principal rules were published vide notification No. GSR-1530 dated the 29th December, 1979 and subsequently amended vide Notification No. GSR-973 dated 15th November, 1986 in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (i).

[No. 36034/5/85-EST.(SC F)]

BATA K. DEY, Director (JCA)

